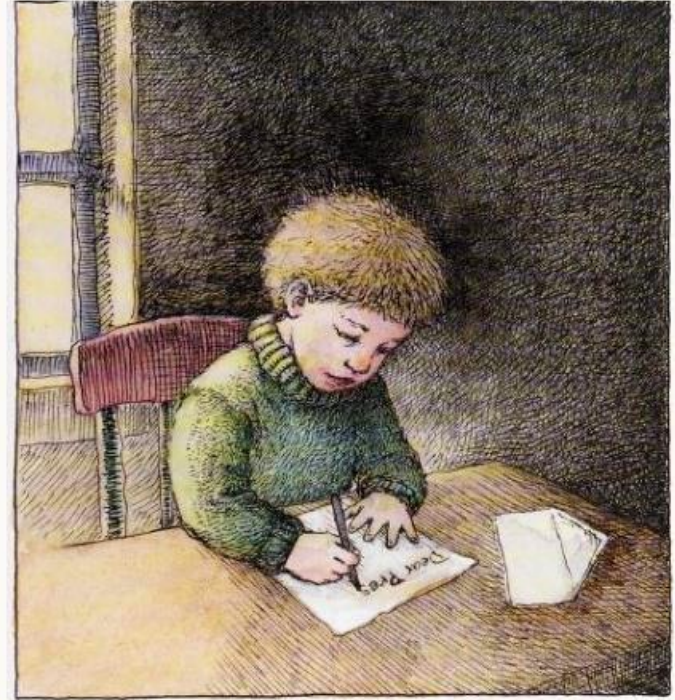


नहीं !



डेविड मिकफेल



नहीं !



डेविड मिकफेल

For teachers everywhere.



© 2004 Scholastic Teaching Resources

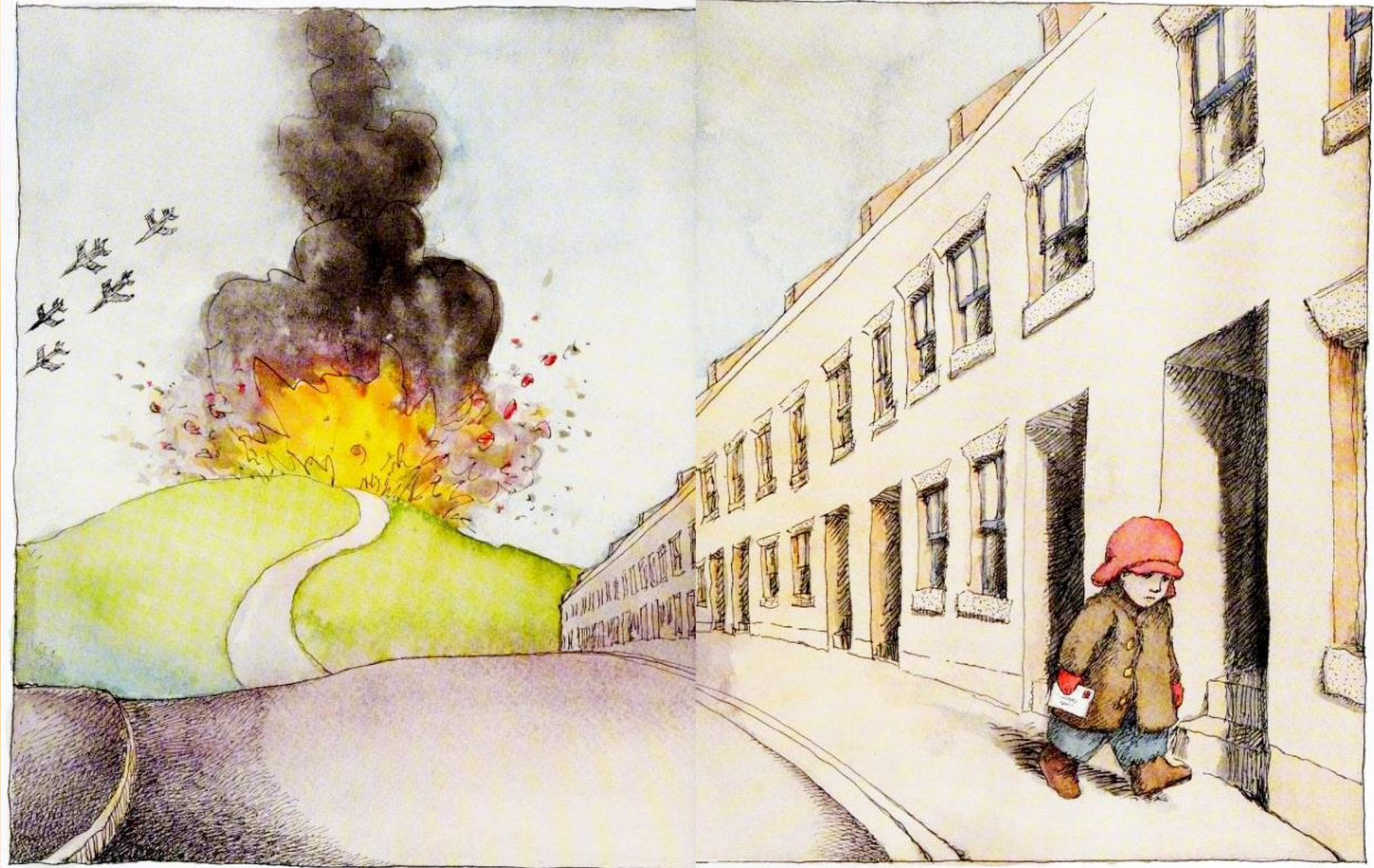
Illustration by David Almond

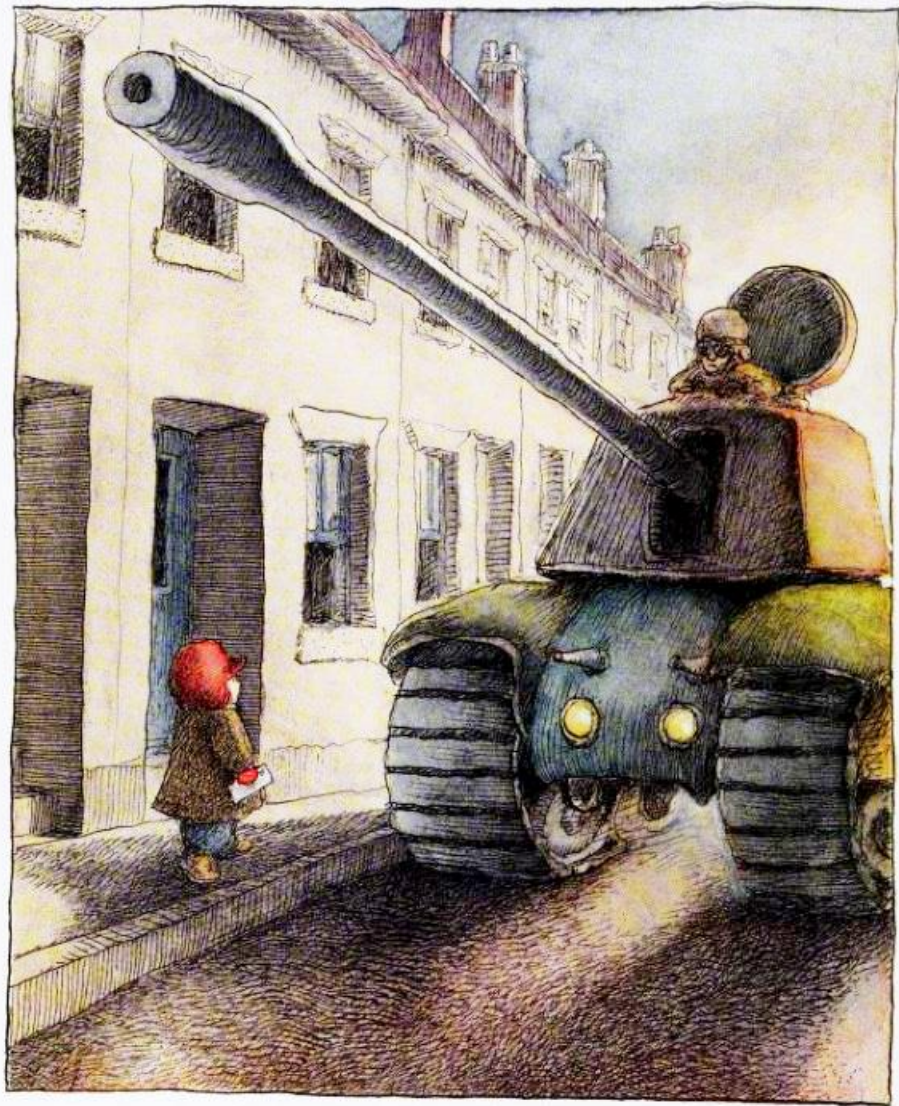
Reprinted by permission of Scholastic Teaching Resources

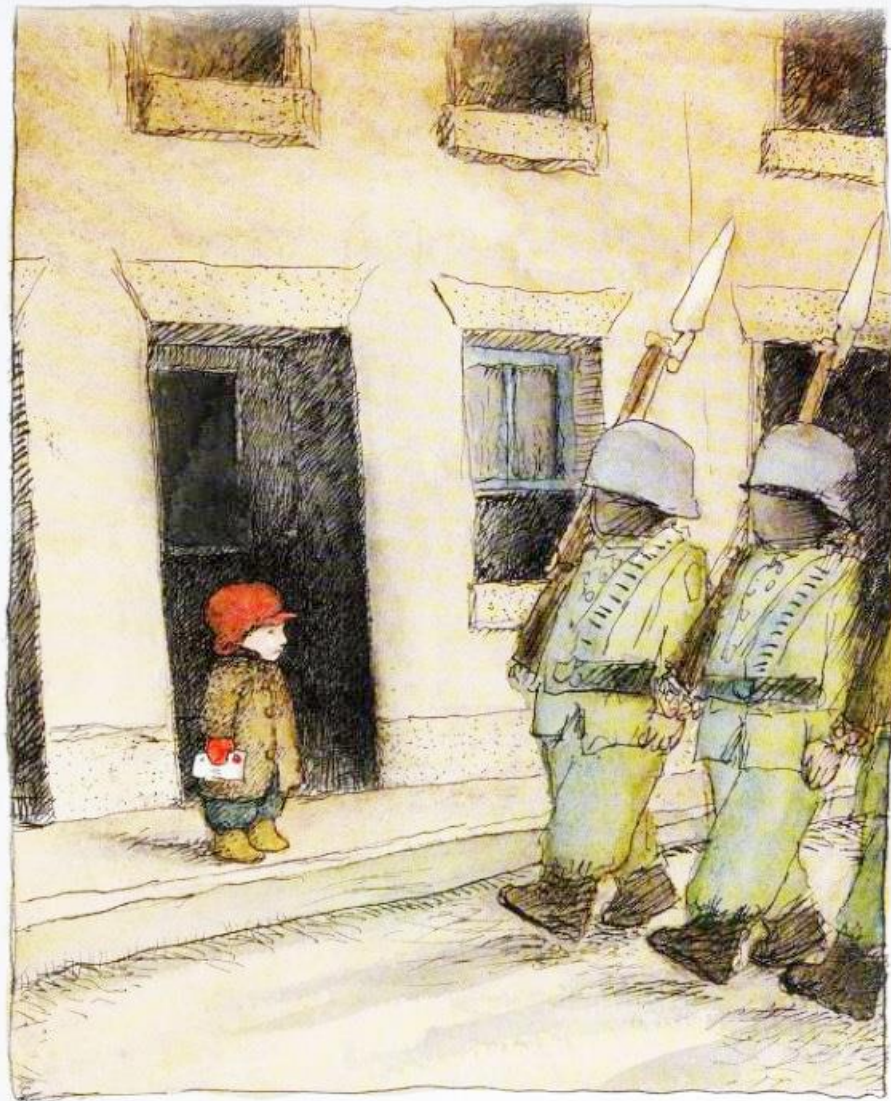
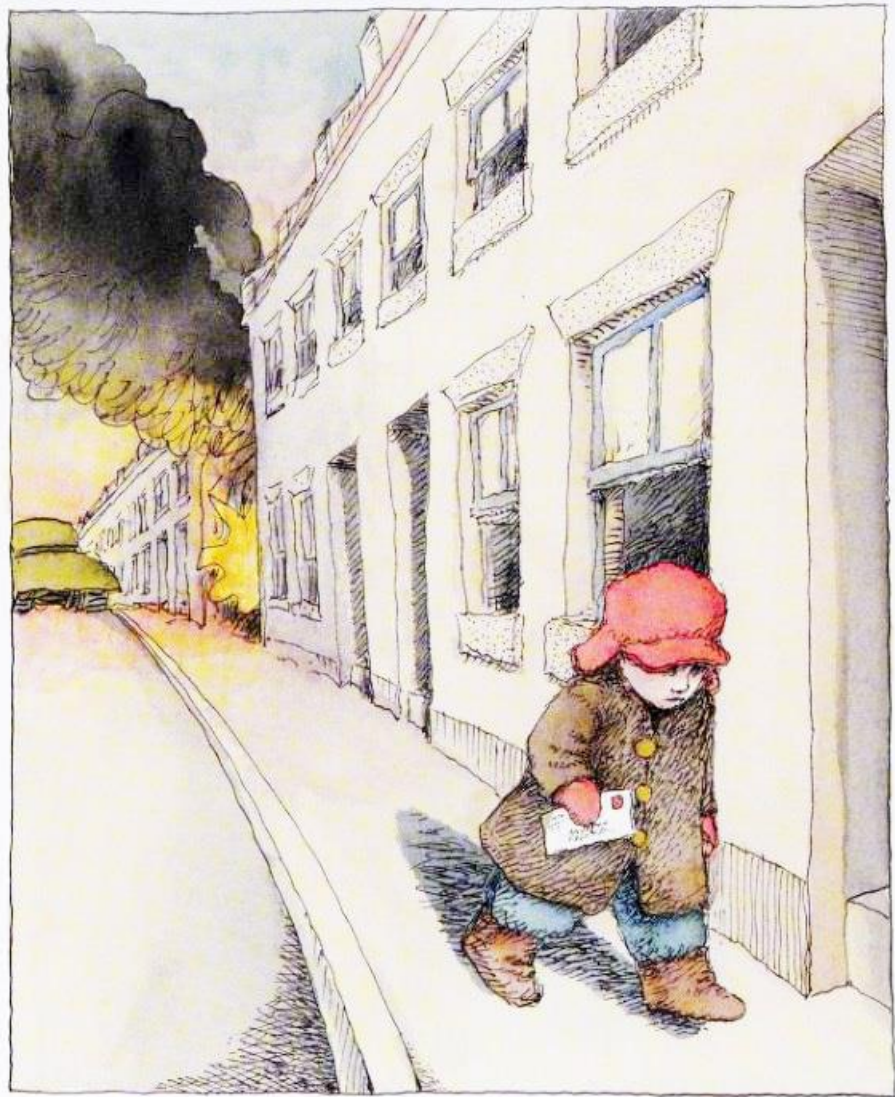


© 2004 Scholastic Teaching Resources

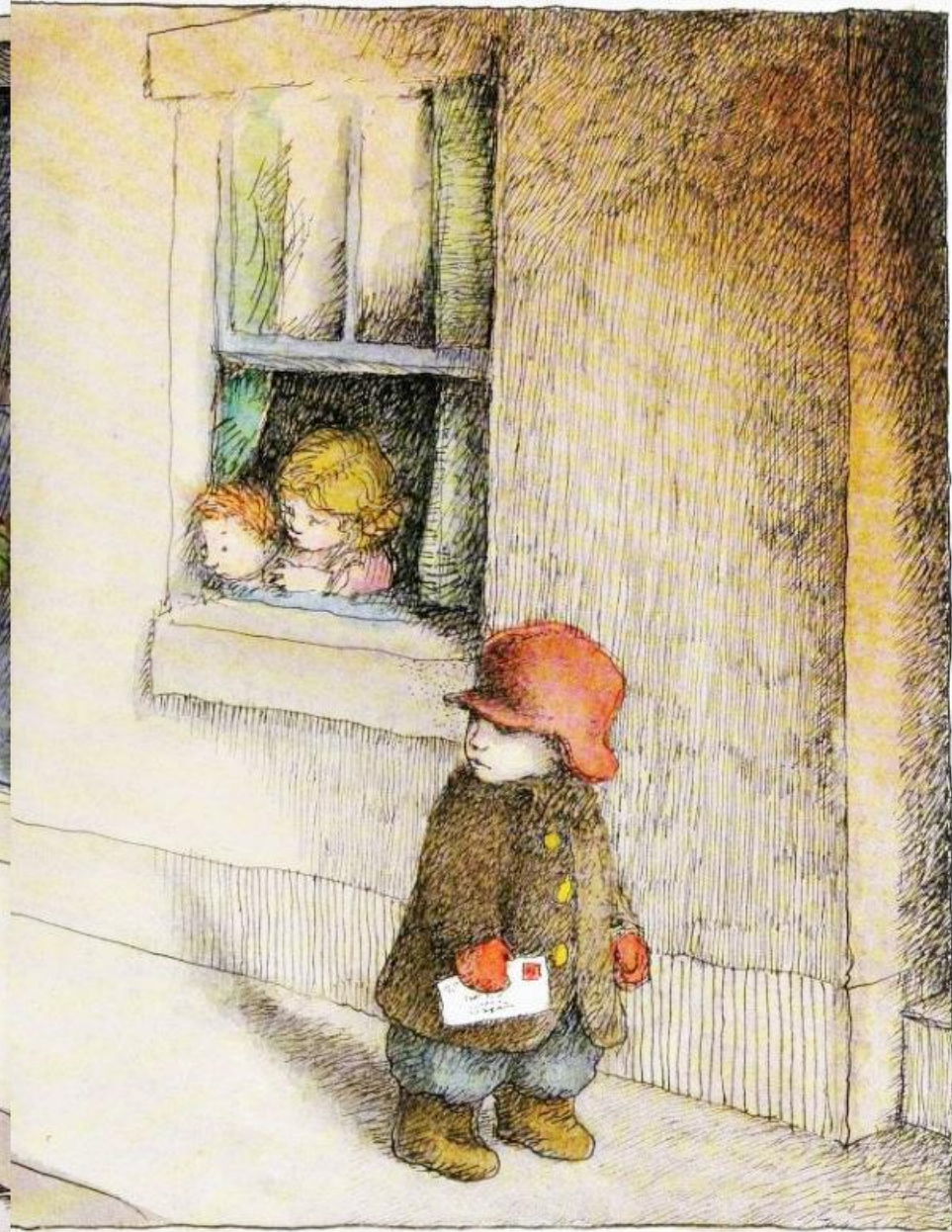
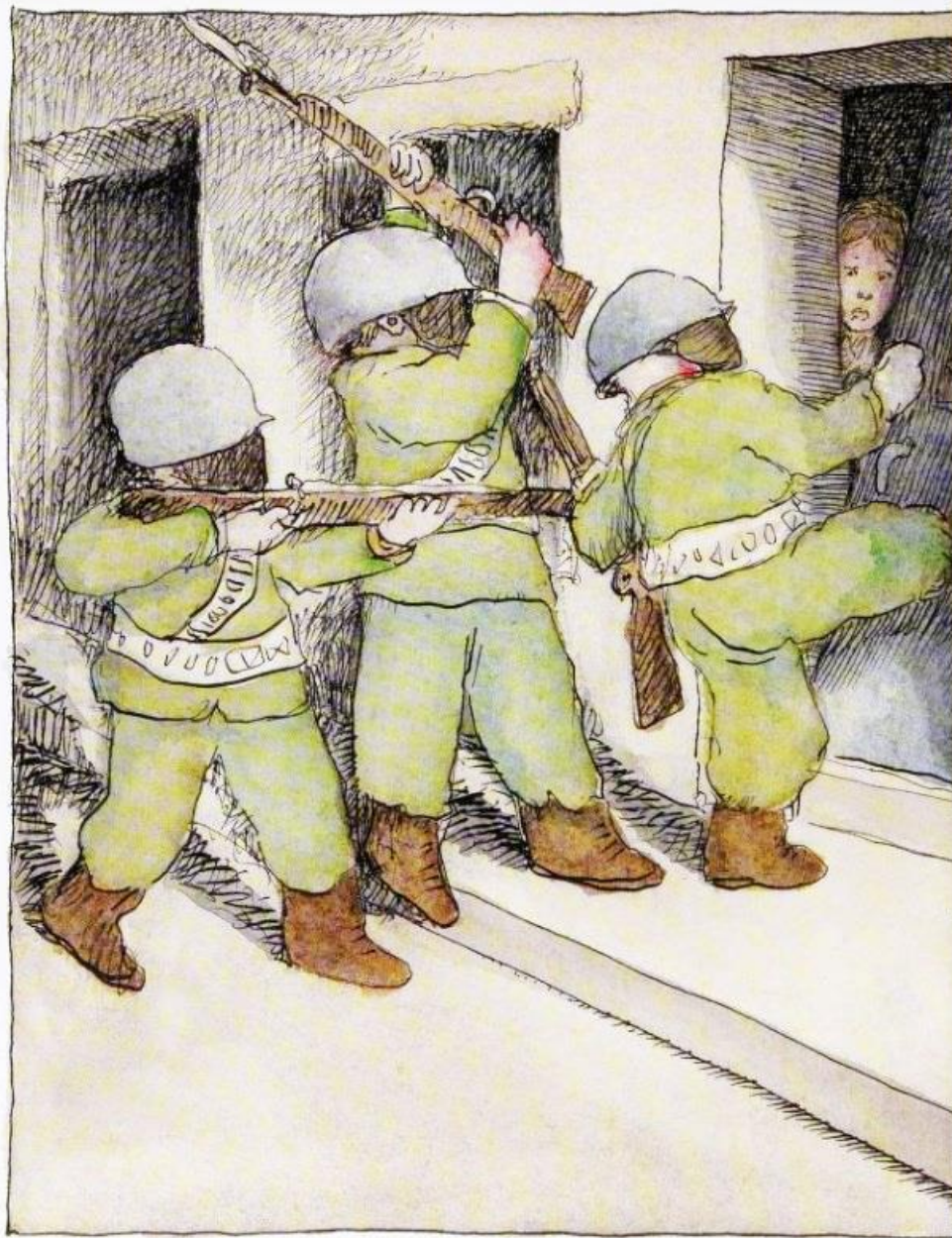


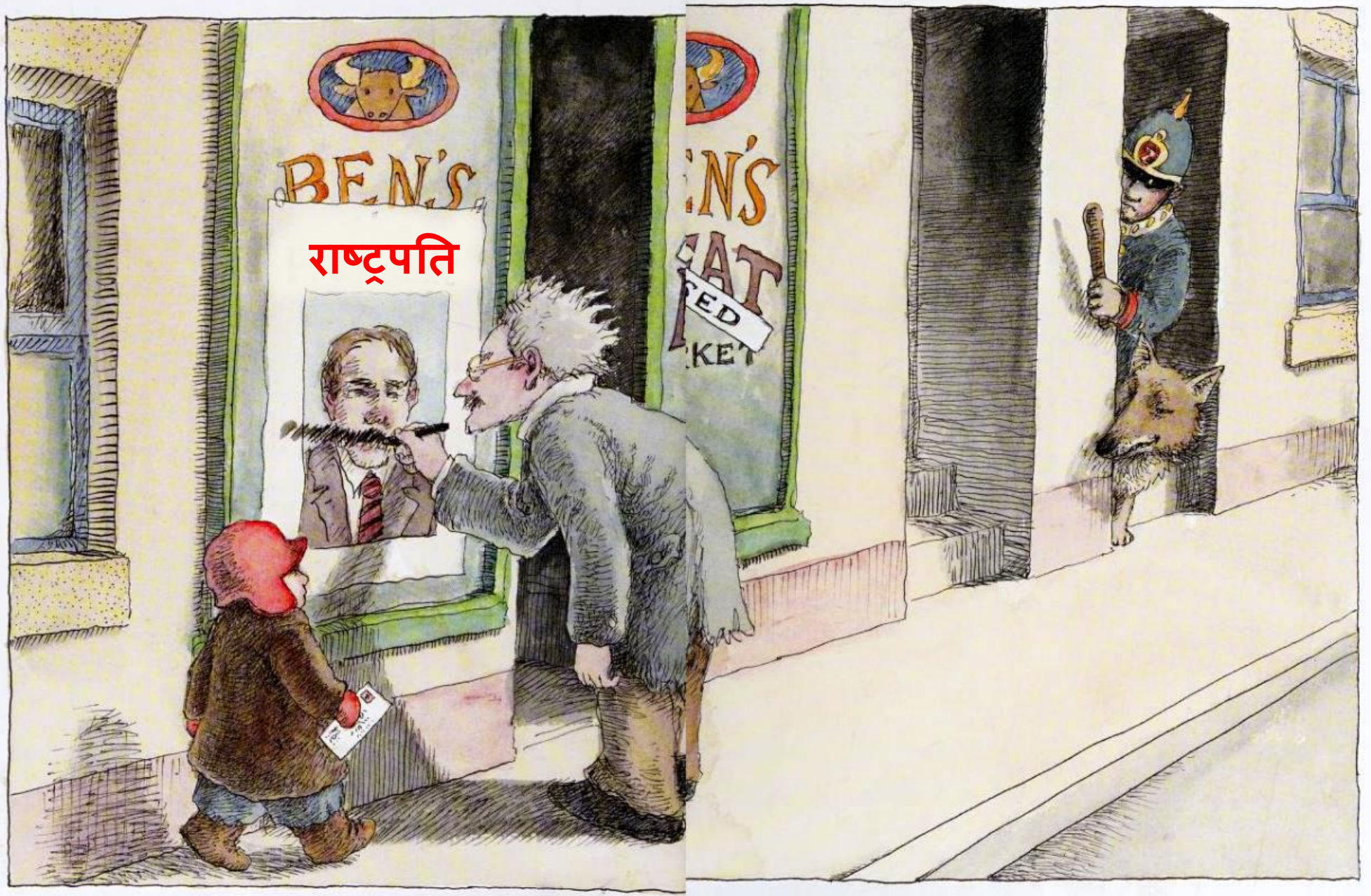












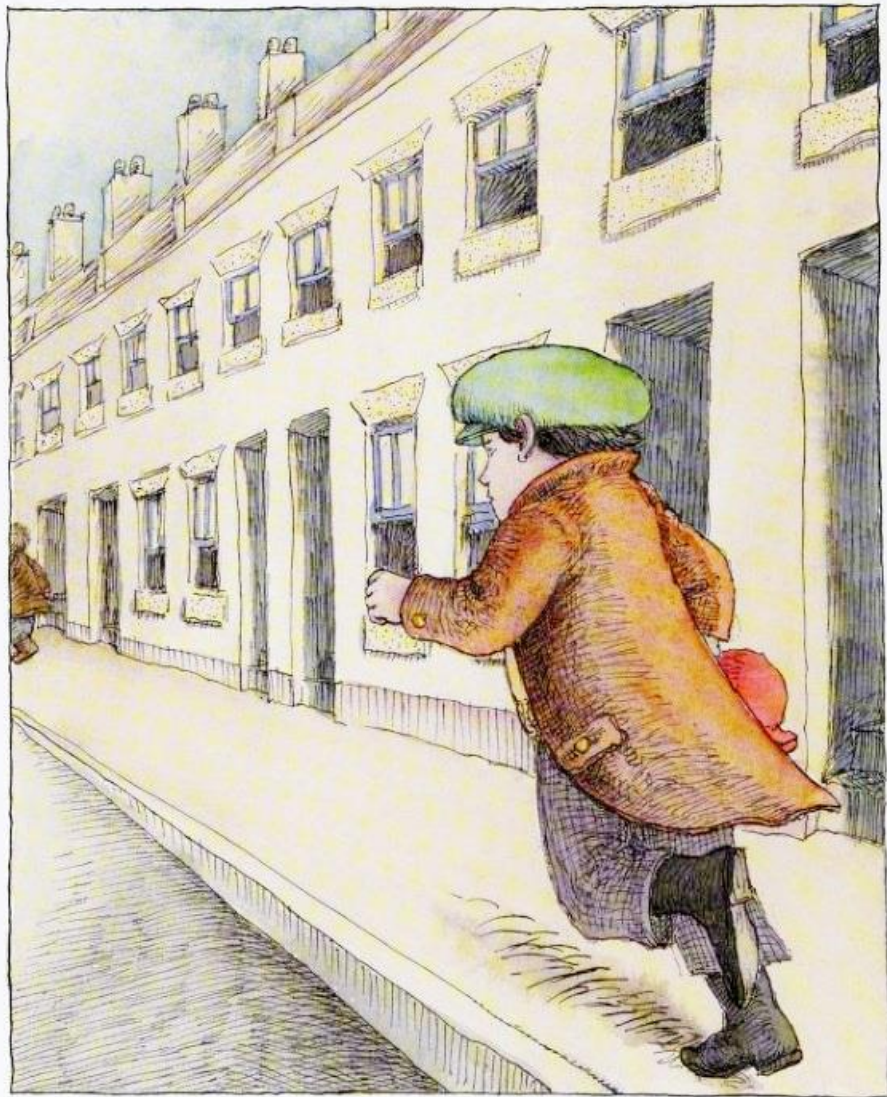






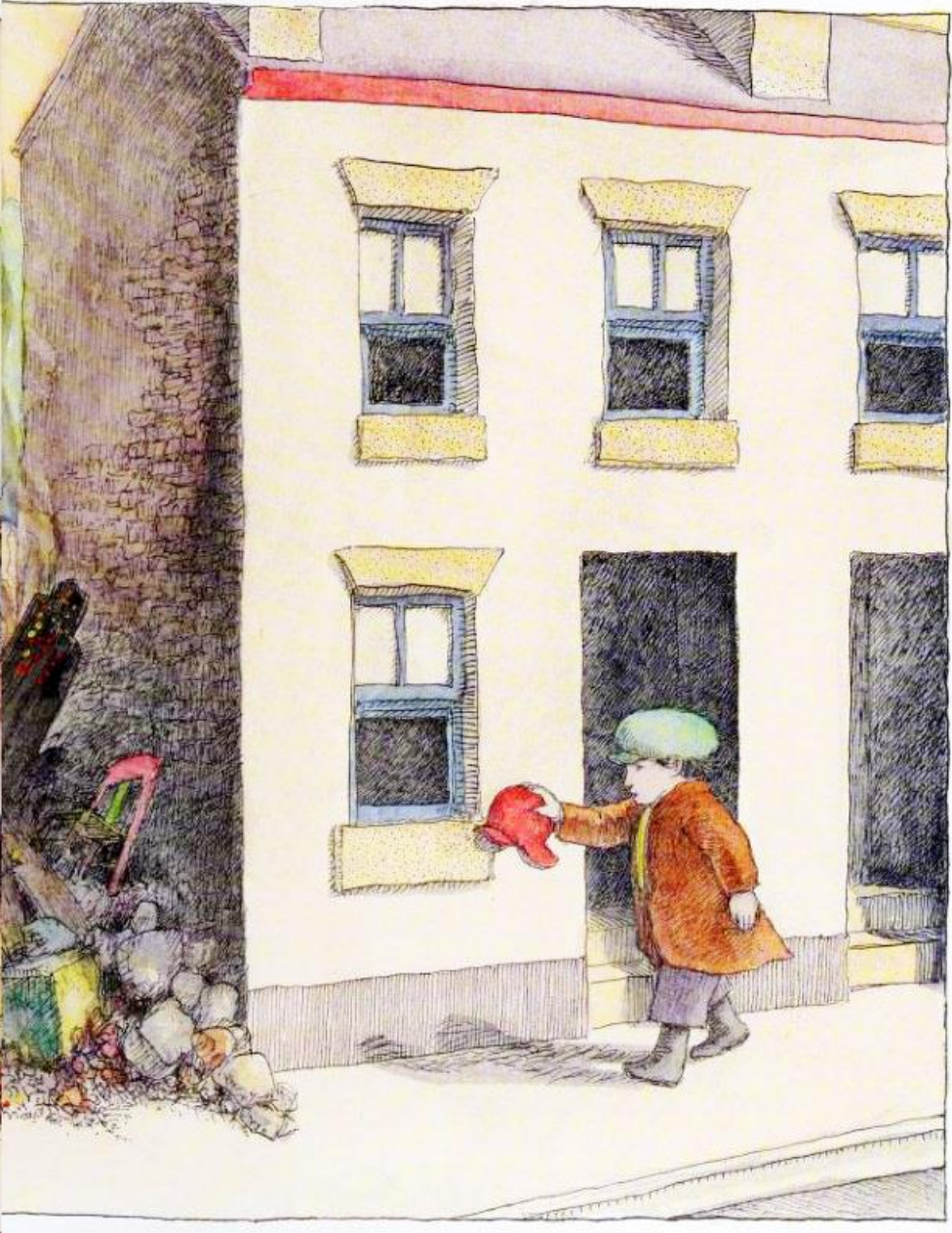
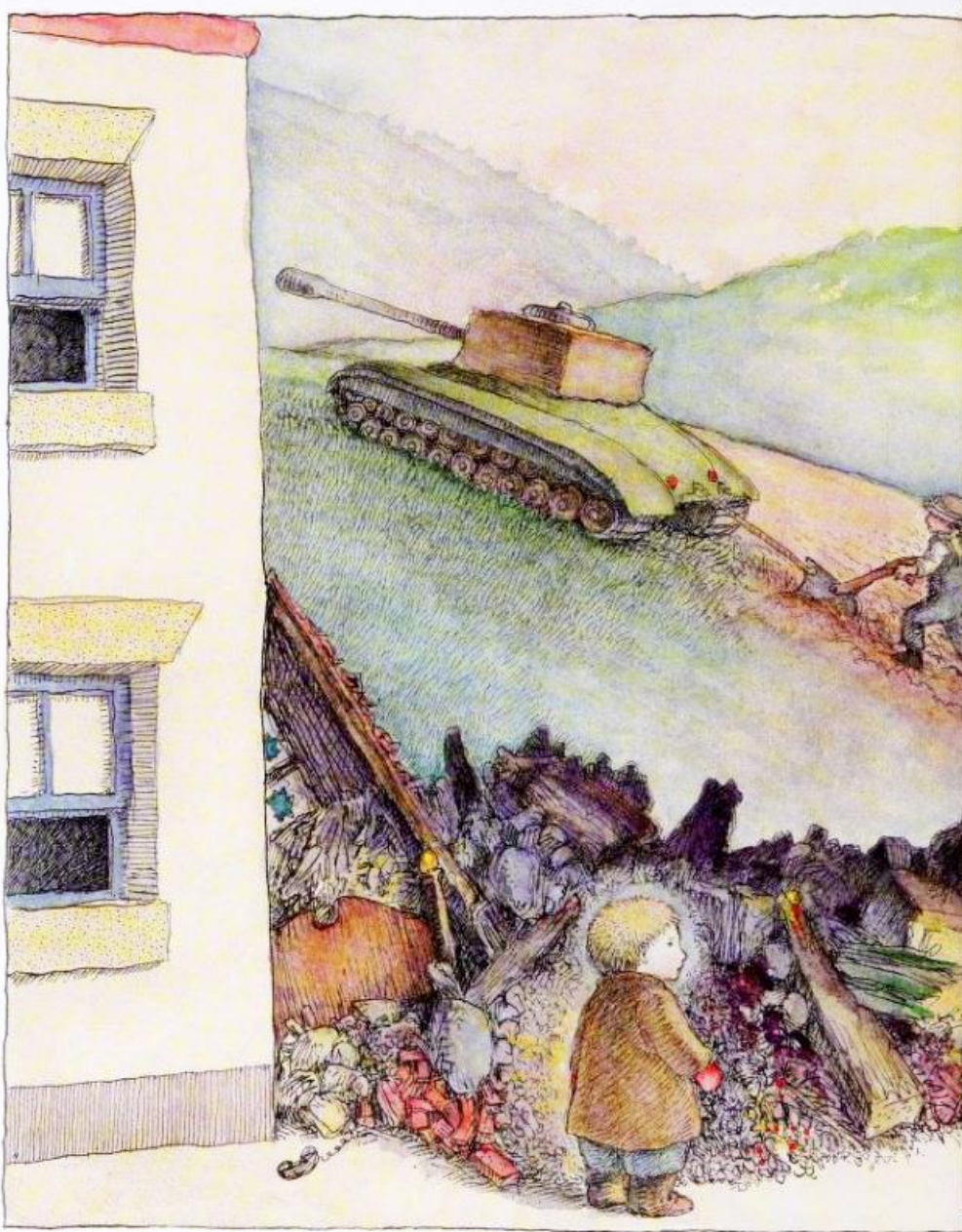


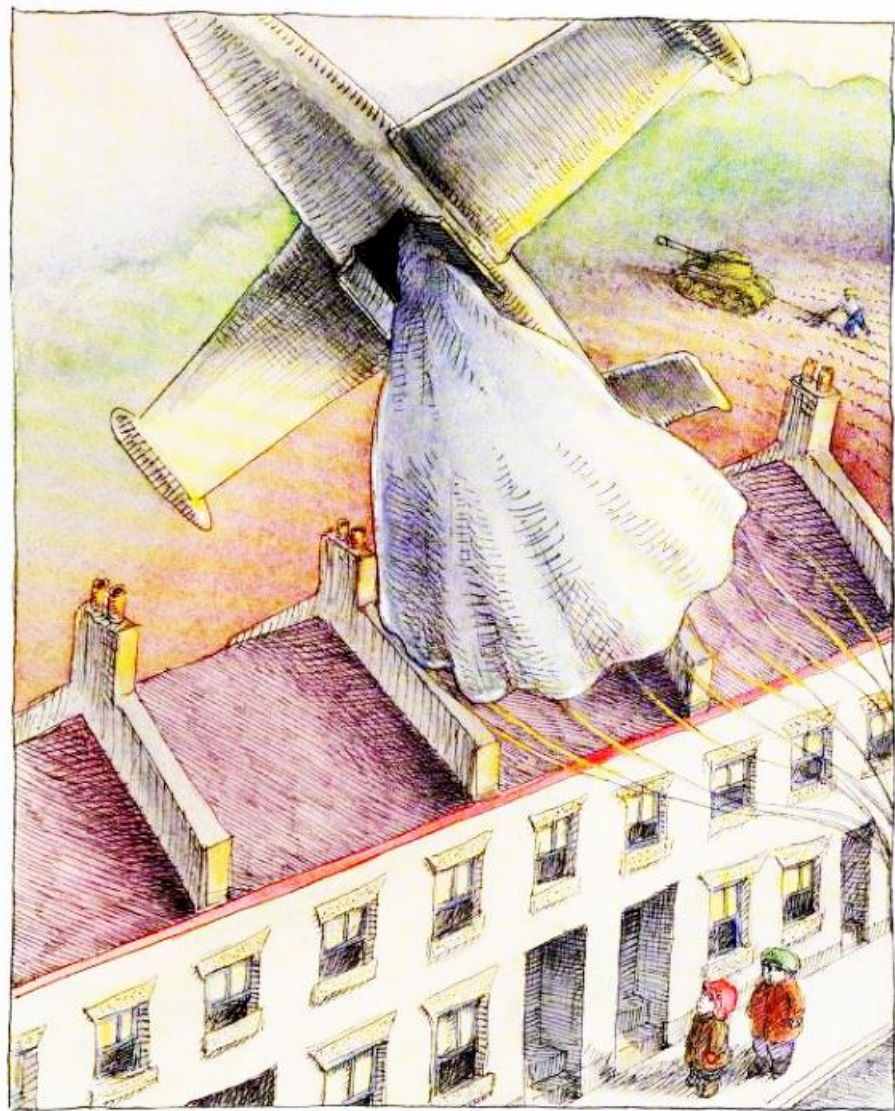
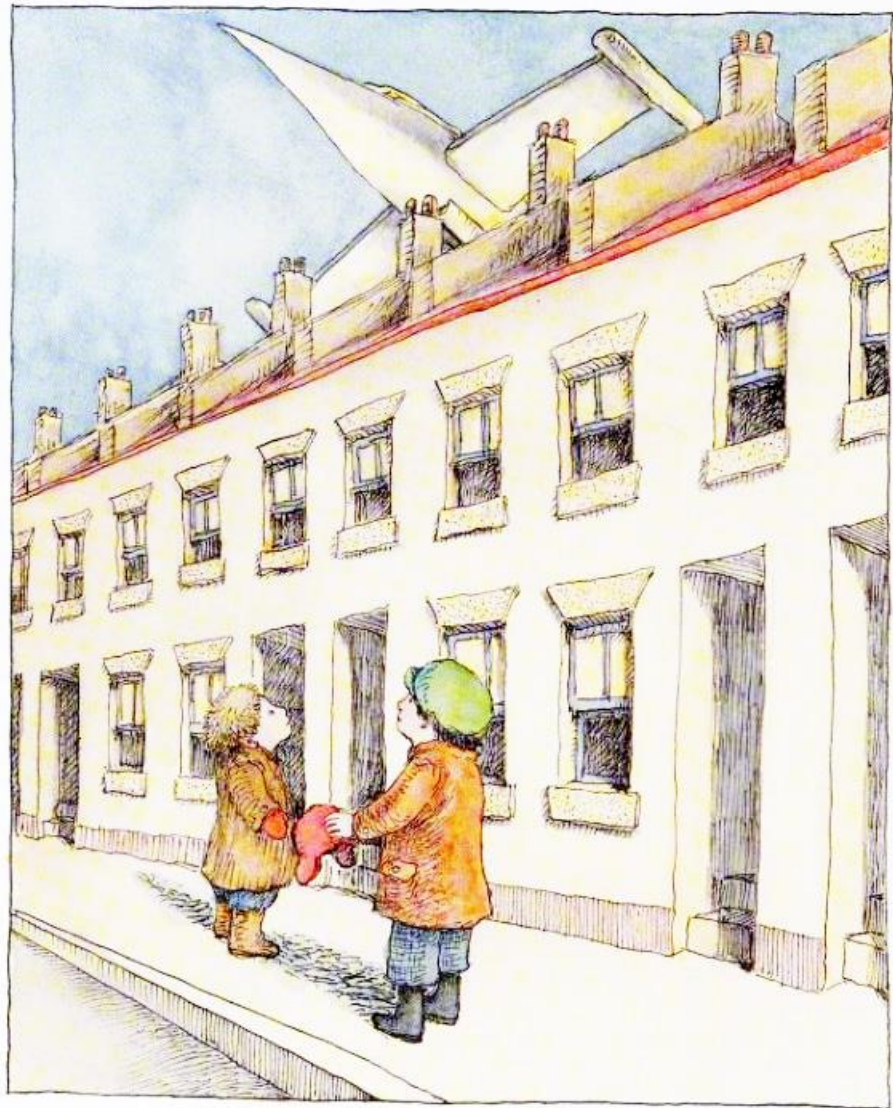


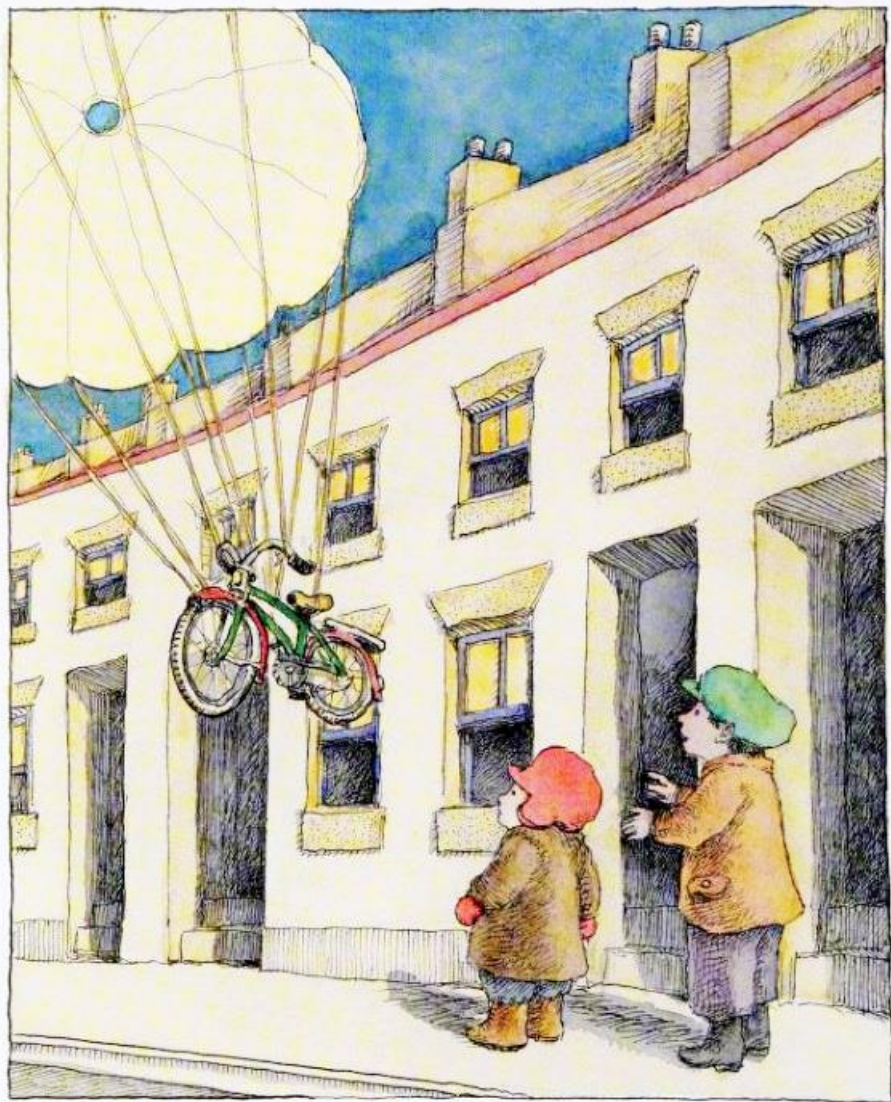


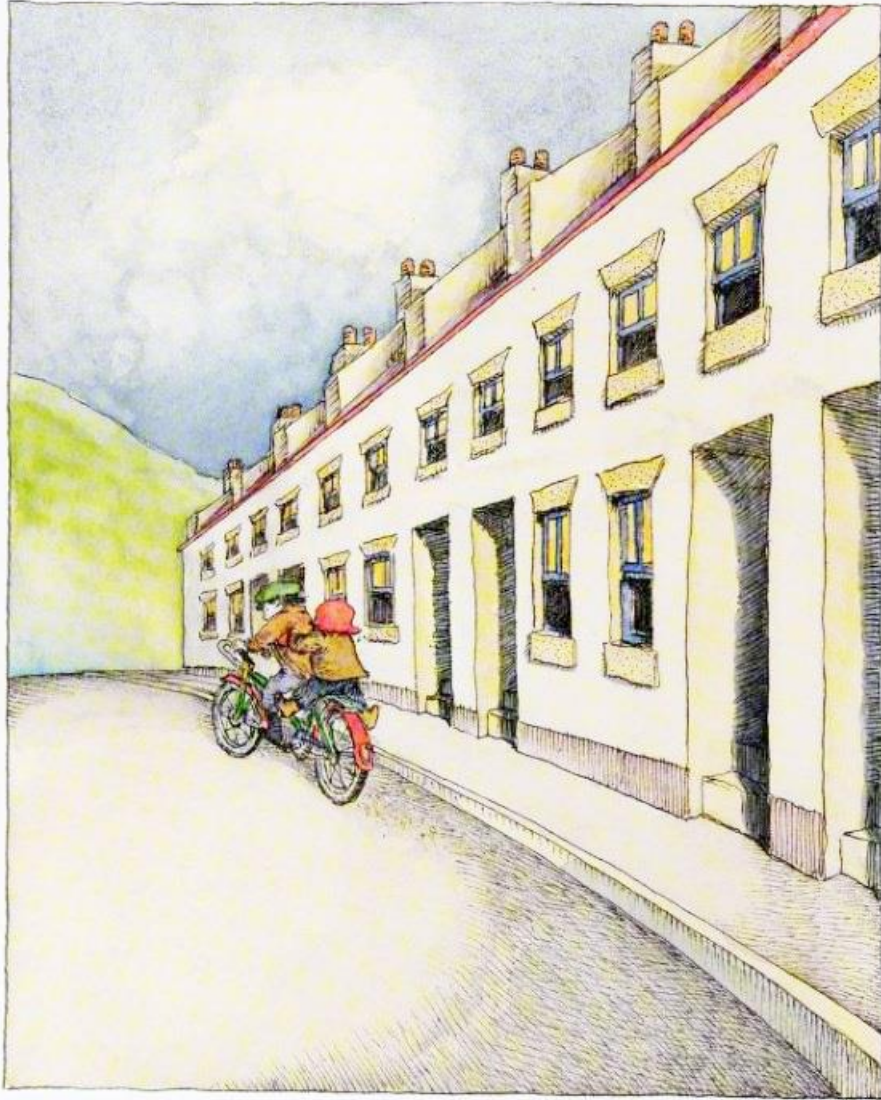














सभी को सुरक्षित रहने और उचित व्यवहार का अधिकार है. लेकिन कभी-कभी लोग क्रूर भी हो सकते हैं. और जब हमें चीजें गलत लगें तब हमें "नहीं!" कहना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे इस किताब के लड़के ने किया.

**एमनेस्टी इंटरनेशनल** चाहता है कि दुनिया में सभी लोग अपने अधिकारों का आनंद उठाएं. अगर लोगों को चोट पहुंचती है और अगर उनके अधिकार छीने जाते हैं, तो एमनेस्टी ही है जो "नहीं!" कहती है और स्थिति को बेहतर बनाने के लिए काम करती है. हम दुनिया को यह बताने की कोशिश करते हैं कि मानव अधिकार बेहद महत्वपूर्ण हैं.

हमारे समर्थकों में बहुत सारे बच्चे हैं.

आप [www.amnesty.org.uk/education](http://www.amnesty.org.uk/education) पर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

# नहीं !



एक लड़का एक पत्र देने के लिए अपने घर से बाहर निकलता है पर अपने रास्ते में हिंसा और क्रूरता की तमाम वारदाते देखता है. लेकिन जब उसे पोस्ट-बॉक्स के पास धमकाने वाला एक बकैत मिलता है, तो वो तय करता है कि अब बहुत हो गया. **नहीं!** बहादुरी और दोस्ती की अमर कहानी है, जिसे डेविड मैकफेल ने बेहद सुन्दर तरीके से चित्रित किया है - एक ऐसी भाषा में जो सभी के लिए सुलभ हो. यह कहानी आशा व्यक्त करती है कि दुनिया के सभी खेल के मैदान चाहें वे बड़े हों या छोटे, जल्द ही सभी के लिए सुरक्षित और मित्रवत बनें.